

PHILOSOPHY OF RESEARCH

अनुसंधान का दार्शनिक आधार



REALITY

वास्तविकता

What exists
जो अस्तित्व में है



ONTOLOGY

सत्ता विज्ञान

The nature of being
अस्तित्व का स्वरूप



EPISTEMOLOGY

ज्ञानमीमांसा

The nature of
knowledge
ज्ञान की प्रकृति



AXIOLOGY

मूल्यशास्त्र

The nature of
values
मूल्यों की प्रकृति

REALITY

Understanding the concept of reality is crucial in research as it forms the foundation upon which research questions, methodologies, and findings are built.

वास्तविकता की अवधारणा को समझना अनुसंधान में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही अनुसंधान प्रश्नों, कार्यप्रणालियों और निष्कर्षों की नींव बनाती है।



Knowing the Unknown
अज्ञात को जानने की यात्रा



REALITY

वास्तविकता

What exists in the world
दुनिया में जो अस्तित्व में है



ONTOLOGY

सत्ता विज्ञान

The nature and structure
of existence
अस्तित्व की प्रकृति और संरचना



EPISTEMOLOGY

ज्ञानमीमांसा

The nature and scope
of knowledge
ज्ञान की प्रकृति और सीमा



AXIOLOGY

मूल्यशास्त्र

The nature and role
of values
मूल्यों की प्रकृति और भूमिका

Rohit Yadav

PhD Scholar at
Central University of Rajasthan

JRF Media Academy



UGC-NET PAPER 1

FULL COURSE

✓ Let's Find Out Every Concept in Detail.



COMPLETE SYLLABUS – TOPIC WISE



LATEST PYQ's WITH DETAILED SOLUTIONS



TOPIC-WISE VIDEO LECTURES



HINDI & ENGLISH



MASS COMMUNICATION
PAPER 2

FULL COURSE



UGC-NET by **Rohit**

UGC-NET Paper 1 Complete Syllabus with
Latest PYQ's Solutions.

REALITY

Nature of the world or phenomena being studied that exist independently of our perceptions or interpretations.

वास्तविकता

दुनिया की प्रकृति या अध्ययन किए जा रहे घटनाक्रम, जो हमारी धारणाओं या व्याख्याओं से स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में हैं।

Reality exists, whether we observe it or not.



Independent स्वतंत्र

Exists independent of our viewpoints.
हमारे दृष्टिकोण से स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में है।



Objective निष्पक्ष

Not influenced by personal feelings or biases.
व्यक्तिगत भावनाओं या पक्षपात से प्रभावित नहीं।



Verifiable सत्यापनीय

Can be observed, tested and proven.
अवलोकन, परीक्षण और प्रमाणित की जा सकती है।



Know the Unknown अज्ञात को जानने की यात्रा

Research helps us discover what we don't yet know.
शोध हमें उन चीजों की खोज में मदद करता है जो अभी अज्ञात हैं।

EXAMPLES / उदाहरण

Sun rises from East
सूरज पूर्व से उगता है



and sets in the West.
और पश्चिम में अस्त होता है।

A universal reality observed every day.
एक सार्वभौमिक वास्तविकता जो प्रतिदिन देखी जाती है।



Study of Suicides in the Society
समाज में आत्महत्याओं का अध्ययन

A real social issue that exists, regardless of opinions.
एक वास्तविक सामाजिक मुद्दा जो विचारों से परे, अस्तित्व में है।



Reality is the foundation of research.
It guides our questions, methods, and discoveries.
वास्तविकता ही शोध की नींव है। यही हमारे प्रश्नों, विधियों और खोजों को दिशा देती है।



Research is the journey from
What is Known to
What is Unknown.
शोध ज्ञात से अज्ञात की यात्रा है।





ONTOLOGY

सत्ता / अस्तित्व का सिद्धांत

Study of the nature of reality
वास्तविकता की प्रकृति का अध्ययन



AXIOLOGY

मूल्यशास्त्र

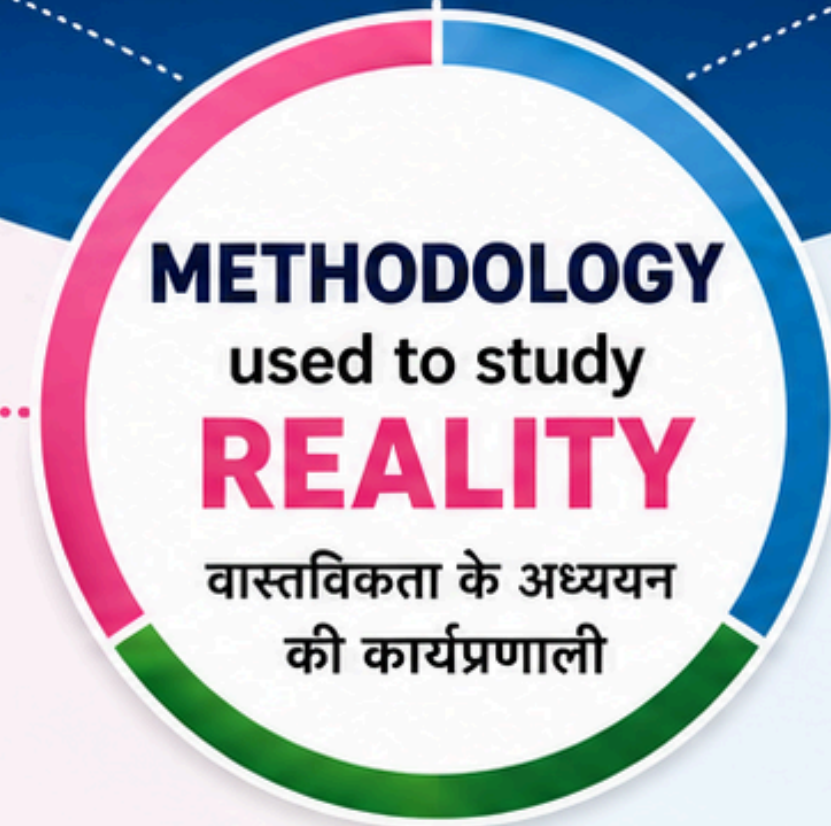
Study of the nature of values
मूल्यों की प्रकृति का अध्ययन



Focus / केन्द्रबिंदु

Explores what is valuable, good, or desirable.

यह अध्ययन करता है कि क्या मूल्यवान, अच्छा या वांछनीय है।



EPISTEMOLOGY

ज्ञानमीमांसा

Study of the nature of knowledge
ज्ञान की प्रकृति का अध्ययन



Focus / केन्द्रबिंदु

Explores how we know, what we know, and the limits of knowledge.

यह अध्ययन करता है कि हम कैसे जानते हैं, हम क्या जानते हैं, और ज्ञान की सीमाएँ क्या हैं।



Ontology, Epistemology, and Axiology are three fundamental philosophical concepts that play essential roles in shaping various fields of knowledge, including science, social sciences, and research methodologies.

सत्ता, ज्ञानमीमांसा और मूल्यशास्त्र तीन मूलभूत दार्शनिक अवधारणाएँ हैं जो विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अनुसंधान पद्धतियों सहित विभिन्न ज्ञान क्षेत्रों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।



ONTOLOGY

सत्ता का सिद्धांत

Ontology examines the nature of reality and the fundamental concepts and categories that shape our understanding of the world.

सत्ता का सिद्धांत वास्तविकता की प्रकृति तथा वे मूलभूत अवधारणाएँ और श्रेणियाँ क्या हैं जो हमारे विश्व की समझ को आकार देती हैं।



EVERYDAY EXAMPLE

दैनिक उदाहरण



Sun rises from the East and sets in the West.

सूर्य पूर्व से उगता है और पश्चिम में अस्त होता है।



AXIOLOGY

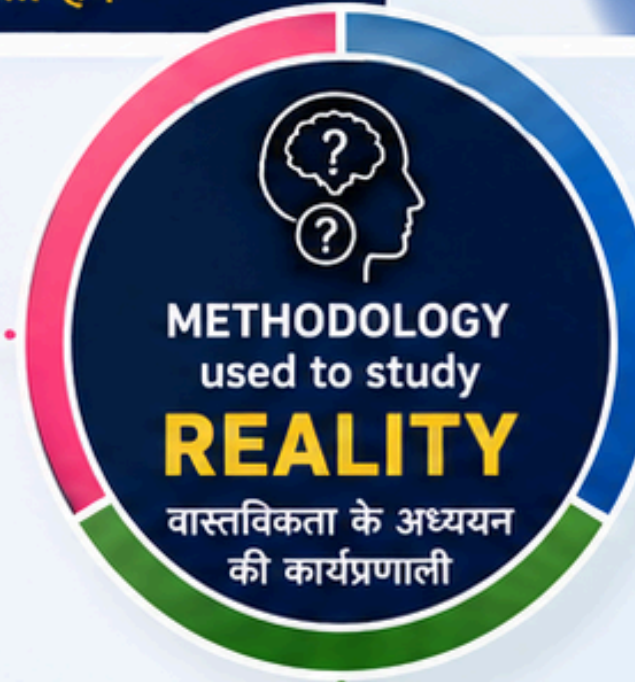
मूल्यशास्त्र

Study of the nature of values.
मूल्यों की प्रकृति का अध्ययन।

Focus / केंद्रबिन्दु

Explores what is valuable, good, or desirable.

यह अध्ययन करता है कि क्या मूल्यवान, अच्छा या वांछनीय है।



EPISTEMOLOGY

ज्ञानमीमांसा

Study of the nature of knowledge.
ज्ञान की प्रकृति का अध्ययन।

Focus / केंद्रबिन्दु

Explores how we know, what we know, and the limits of knowledge.

यह अध्ययन करता है कि हम कैसे जानते हैं, हम क्या जानते हैं, और ज्ञान की सीमाएं क्या हैं।



ONTOLOGICAL PERSPECTIVES

सत्ता के दार्शनिक दृष्टिकोण

1. Objectivism/Realism

Assumes an objective reality that exists independently of human perception.
मानता है कि एक वस्तुनिष्ठ वास्तविकता है जो मानव धारणा से स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में है।

2. Constructivism

Suggests that reality is socially and subjectively constructed through human perceptions, experiences, and interpretations.
सुझाव देता है कि वास्तविकता मानवीय धारणाओं, अनुभवों और व्याख्याओं के माध्यम से सांजालिक और व्यक्तिपरक रूप से निर्मित होती है।

3. Pragmatism

Emphasizes the practical consequences and usefulness of knowledge, focusing on ongoing interactions and negotiations among individuals and their environment.
ज्ञान के व्यावहारिक परिणामों और उपयोगिता पर जोर देता है, व्यक्तियों और उनके पर्यावरण के बीच निरंतर अंतःक्रियाओं और बातचीतों पर ध्यान केंद्रित करता है।

EXAMPLE / उदाहरण



The Earth exists
पृथ्वी अस्तित्व में है



Atoms are real
परमाणु वास्तविक हैं



Honesty is valuable
ईमानदारी मूल्यवान है



Knowledge evolves
ज्ञान विकसित होता है



Society shapes beliefs
समाज विश्वासों को आकार देता है



Practical use matters
व्यावहारिक उपयोग मायने रखता है



Ontology, Epistemology, and Axiology are three fundamental philosophical concepts that play essential roles in shaping various fields of knowledge, including science, social sciences, and research methodologies.

सत्ता, ज्ञानमीमांसा और मूल्यशास्त्र तीन मूलभूत दार्शनिक अवधारणाएँ हैं जो विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अनुसंधान पद्धतियों सहित विभिन्न ज्ञान क्षेत्रों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।



EPISTEMOLOGY

• ज्ञानमीमांसा •

Epistemology is the branch of philosophy concerned with how knowledge is **acquired, justified, and disseminated**.

ज्ञानमीमांसा दर्शन की वह शाखा है जो इस बात का अध्ययन करती है कि ज्ञान कैसे **प्राप्त, न्यायोचित और प्रसारित** किया जाता है।



KEY TAKEAWAY / मुख्य निष्कर्ष

Epistemology helps us understand the nature, sources, and limits of knowledge. It guides us in distinguishing truth from belief and forming justified conclusions.

ज्ञानमीमांसा हमें ज्ञान के स्वरूप, स्रोतों और सीमाओं को समझने में मदद करती है। यह हमें सत्य और विश्वास में भेद करने तथा उचित निष्कर्ष बनाने में मार्गदर्शन करती है।



EPISTEMOLOGICAL ASPECTS

ज्ञानमीमांसात्मक पहलू

1

Perception and Observation अनुभूति और अवलोकन

The statement involves our perception and observation of the sun's rising and setting.

यह कथन सूर्योदय और सूर्यास्त के हमारे अनुभव और अवलोकन पर आधारित है।



2

Empirical Evidence अनुभवजन्य साक्ष्य

This includes studying data, records, and scientific studies that provide evidence for the sun rising from the east.

इसमें डेटा, अभिलेख और वैज्ञानिक अध्ययनों का अध्ययन शामिल है जो प्रमाण प्रदान करते हैं कि सूर्य पूर्व से उगता है।



3

Scientific Models and Theories वैज्ञानिक मॉडल और सिद्धांत

Epistemology comes into play when we explore the scientific models and theories that explain the Earth's rotation and its relationship to the apparent movement of the sun.

जब हम पृथ्वी के घूर्णन और सूर्य की प्रकट गति के संबंध को समझने वाले वैज्ञानिक मॉडल और सिद्धांतों का अध्ययन करते हैं, तब ज्ञानमीमांसा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।



4

Relativity of Perception धारणा की सापेक्षता

From the perspective of someone in a different location or on a different planet, the direction of the sun's rise may differ.

किसी भिन्न स्थान या अन्य ग्रह से देखने पर सूर्य के उगने की दिशा भिन्न हो सकती है।





AXIOLOGY

is the study of values, including ethics, aesthetics, and other aspects of human value systems.

एक्सीलॉजी मूल्यों, नैतिकता, सौंदर्यशास्त्र और मानव मूल्य प्रणालियों का अध्ययन है।

AXIOLOGY

• Value • Ethics • Right • Beauty • Good •



“Sun rises from the East and sets in the West.
सूर्य पूर्व से उगता है और पश्चिम में अस्त होता है।”

ROLE IN RESEARCH / अनुसंधान में भूमिका



Shapes ethical considerations and value judgments.
नैतिक विचारों और मूल्य निर्णयों को आकार देती है।



Ensures research integrity and protects participants' rights.
अनुसंधान की ईमानदारी सुनिश्चित करती है और प्रतिभागियों के अधिकारों की रक्षा करती है।



Helps recognize and minimize biases in the research process.
अनुसंधान प्रक्रिया में पक्षपात को पहचानने और कम करने में मदद करती है।

AXIOLOGICAL DIMENSIONS / एक्सीलॉजिकल आयाम

- | | | |
|----|--|--|
| 01 | Accuracy (सटीकता) → सही और विश्वसनीय जानकारी | |
| 02 | Truth (सत्य) → सत्य की खोज और ईमानदारी | |
| 03 | Empirical Validation (प्रमाणन) → तथ्य व डेटा से जाँच | |
| 04 | Ethics (नैतिकता) → सही आचरण और जिम्मेदारी | |
| 05 | Critical Thinking (आलोचनात्मक सोच) → निष्पक्ष विश्लेषण | |
| 06 | Openness to Revision (संशोधन के लिए खुलापन) → नए प्रमाण मिलने पर विचार बदलने की क्षमता | |

WHY IT MATTERS? / यह क्यों महत्वपूर्ण है?

- ✓ Guides what is good, right and valuable.
यह बताती है कि क्या अच्छा, सही और मूल्यवान है।
- ✓ Helps us understand the values behind actions and decisions.
यह हमें कार्यों और निर्णयों के पीछे के मूल्यों को समझने में मदद करती है।
- ✓ Builds a responsible, fair and ethical research environment.
यह जिम्मेदार, न्यायपूर्ण और नैतिक अनुसंधान वातावरण बनाती है।

CORE VALUES / मूल मूल्य



★ Axiology helps us explore the underlying values and judgments that shape our understanding of the world —
with wisdom, ethics and responsibility.

एक्सीलॉजी हमें उन मूल्यों और निर्णयों की खोज करने में मदद करती है, जो हमारी दुनिया की समझ को आकार देते हैं —
बुद्धिमत्ता, नैतिकता और जिम्मेदारी के साथ।





PHILOSOPHY QUICK QUIZ

TEST YOUR UNDERSTANDING / अपनी समझ को परखें



1



Which branch of philosophy explores the nature of reality?

कौन-सी शाखा वास्तविकता के स्वभाव का अन्वेषण करती है?

- a) Ontology (सत्मीमांसा)
- b) Epistemology (ज्ञानमीमांसा)
- c) Axiology (मूल्यशास्त्र)
- d) Metaphysics (तत्त्वमीमांसा)

✓ Answer / उत्तर

a) Ontology
(सत्ता मीमांसा)

2



Epistemology is concerned with:

ज्ञानमीमांसा किससे संबंधित है?

- a) The nature of reality (वास्तविकता का स्वभाव)
- b) The acquisition of knowledge (ज्ञान की प्राप्ति)
- c) Moral values and principles (नैतिक मूल्य और सिद्धांत)
- d) The study of beauty and art (सौंदर्य और कला का अध्ययन)

✓ Answer / उत्तर

b) The acquisition
of knowledge
(ज्ञान की प्राप्ति)

3



Axiology deals with questions of:

मूल्यशास्त्र किन प्रश्नों से संबंधित है?

- a) Reality and existence (वास्तविकता और अस्तित्व)
- b) The acquisition of knowledge (ज्ञान की प्राप्ति)
- c) Moral values and principles (नैतिक मूल्य और सिद्धांत)
- d) Valid reasoning and logical principles (वैध तर्क और तार्किक सिद्धांत)

✓ Answer / उत्तर

c) Moral values
and principles
(नैतिक मूल्य और
सिद्धांत)

4



Ontology examines:

सत्ता मीमांसा क्या जाँचती है?

- a) How we acquire knowledge and justify beliefs
हम ज्ञान कैसे प्राप्त करते हैं और विश्वान को कैसे सही ठहराते हैं
- b) The nature of reality and existence
वास्तविकता और अस्तित्व का स्वभाव
- c) Moral values and principles
नैतिक मूल्य और सिद्धांत
- d) The study of beauty and art
सौंदर्य और कला का अध्ययन

✓ Answer / उत्तर

b) The nature of
reality and
existence
(वास्तविकता और
अस्तित्व का स्वभाव)

5



How does epistemology relate to research?

ज्ञानमीमांसा का शोध से क्या संबंध है?

- a) It determines the nature of reality
यह वास्तविकता के स्वभाव को निर्धारित करती है
- b) It investigates ethical considerations
यह नैतिक विचारों की जाँच करती है
- c) It influences the choice of research
questions and methods
यह अनुसंधान प्रश्नों और विधियों के चयन को प्रभावित करती है
- d) It evaluates the validity of research findings
यह शोध निष्कर्षों की वैधता का मूल्यांकन करती है

✓ Answer / उत्तर

c) It influences
the choice of
research questions
and methods
(यह अनुसंधान प्रश्नों और
विधियों के चयन को
प्रभावित करती है)

6



What does axiology explore?

मूल्यशास्त्र क्या अन्वेषण करता है?

- a) The nature of reality and existence
वास्तविकता और अस्तित्व का स्वभाव
- b) The acquisition of knowledge (ज्ञान की प्राप्ति)
- c) Moral values and principles
(नैतिक मूल्य और सिद्धांत)
- d) Valid reasoning and logical principles
(वैध तर्क और तार्किक सिद्धांत)

✓ Answer / उत्तर

c) Moral values
and principles
(नैतिक मूल्य और
सिद्धांत)



Philosophy helps us think deeper, question better, and live wiser.

दर्शन हमें गहराई से सोचने, बेहतर प्रश्न करने और बुद्धिमानी से जीने की प्रेरणा देता है।



POSITIVISM AND POST-POSITIVISM

प्रत्यक्षवाद और उत्तर-प्रत्यक्षवाद



Two Research Approaches That Shape How We Understand and Investigate the World Around Us

ये दो शोध दृष्टिकोण हमारे आसपास की दुनिया को समझने और उसकी जाँच करने के तरीके को आकार देते हैं।



POSITIVISM / प्रत्यक्षवाद

The objective pursuit of knowledge through observation, measurement, and verification.
अवलोकन, मापन और सत्यापन के माध्यम से वस्तुनिष्ठ ज्ञान की खोज।



Objective Reality / वस्तुनिष्ठ वास्तविकता

Reality exists independently of us.
वास्तविकता हमसे स्वतंत्र रूप से मौजूद है।



Quantitative Methods / मात्रात्मक विधियाँ

Uses numbers, statistics, and experiments.
संख्याओं, आँकड़ों और प्रयोगों का उपयोग।



Generalization / सामान्यीकरण

Seeks universal laws and general patterns.
सार्वभौमिक नियमों और सामान्य पैटर्न की खोज।



Value-Free / मूल्य-निरपेक्ष

Researcher remains neutral and unbiased.
शोधकर्ता निष्पक्ष और पूर्वाग्रह-मुक्त रहता है।

VS

POST-POSITIVISM / उत्तर-प्रत्यक्षवाद

Acknowledges the complexity of reality and the role of the researcher in the research process.
वास्तविकता की जटिलता और शोध प्रक्रिया में शोधकर्ता की भूमिका को स्वीकार करता है।



Multiple Realities / अनेक वास्तविकताएँ

Reality can be interpreted in many ways.
वास्तविकता की कई व्याख्याएँ हो सकती हैं।



Qualitative + Quantitative / गुणात्मक + मात्रात्मक

Uses multiple methods for a deeper understanding.
गहरी समझ के लिए विभिन्न विधियों का उपयोग।



Context Matters / संदर्भ का महत्व

Context and perspective influence findings.
संदर्भ और दृष्टिकोण निष्कर्षों को प्रभावित करते हैं।



Value-Aware / मूल्य-सचेत

Researcher's values and biases are acknowledged.
शोधकर्ता के मूल्यों और पूर्वाग्रहों को स्वीकार किया जाता है।



OUR GOAL /
हमारा लक्ष्य

To explore their key principles, methodologies, and implications,
highlighting the distinctions between the objective nature of **positivism**
and the recognition of subjectivity in **post-positivism**.

हम उनके प्रमुख सिद्धांतों, पद्धतियों और प्रभावों पर
गहराई से विचार करेंगे, और प्रत्यक्षवाद की वस्तुनिष्ठता
तथा उत्तर-प्रत्यक्षवाद में व्यक्तिनिष्ठता की स्वीकृति
के बीच के अंतर को स्पष्ट करेंगे।





POSITIVISM

प्रत्यक्षवाद



Science is the only true Foundation of **Knowledge**

विज्ञान ही ज्ञान का एकमात्र सत्य आधार है।

KEY IDEAS / मुख्य विचार



Knowledge is based on **observation**, **experiment** and **verification**.

ज्ञान का आधार अवलोकन, प्रयोग और सत्यापन है।



Focus on **facts**, **measurable data** and **empirical evidence**.

तथ्यों, मापनयि डेटा और अनुभवजन्य प्रमाण पर जोर।



Seeks general laws and universal truths through the **scientific method**.

वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से सामान्य नियमों और सार्वभौमिक सत्यों की खोज।



Believes in **progress**, **order**, and the **betterment** of human society.

प्रगति, व्यवस्था और मानव समाज के सुधार में विश्वास।

HISTORICAL ORIGIN

ऐतिहासिक उत्पत्ति



Positivism was first articulated in the early 19th century by **Auguste Comte**.

प्रत्यक्षवाद को सबसे पहले 19वीं शताब्दी की शुरुआत में ऑगस्ट कॉम्टे द्वारा प्रतिपादित किया गया था।



AUGUSTE COMTE

(1798 – 1857)



*To know is to predict,
to predict is to control.*

जानना मतलब भविष्यवाणी करना है,
और भविष्यवाणी करना मतलब नियंत्रण करना है।

– Auguste Comte



POSITIVISM

Positivism laid the foundation for modern science and research by emphasizing objectivity, evidence, and the scientific approach.

प्रत्यक्षवाद ने आधुनिक विज्ञान और अनुसंधान की नींव रखी, जिसमें वस्तुनिष्ठता, प्रमाण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जोर दिया गया।





POSITIVISM

प्रत्यक्षवाद

Science is the only true foundation of knowledge.
विज्ञान ही ज्ञान का एकमात्र सत्य आधार है।



1 ONTOLOGY / सत्ता मीमांसा

Objectivism / Realism
निष्पक्षवाद / यथार्थवाद



Reality is measurable
and predictable.
वास्तविकता मापने योग्य और
पूर्वानुमेय है।

2 EPISTEMOLOGY / ज्ञानमीमांसा

Empirical observation, measurement,
and the application of scientific methods
to uncover **objective truths** about the world.



अनुभवजन्य अवलोकन, मापन और वैज्ञानिक
विधियों के प्रयोग से संसार के बारे में
निष्पक्ष सत्यों की खोज।

3 AXIOLOGY / मूल्य मीमांसा

It prioritizes **value neutrality**
and **objective inquiry**,
separating personal values from
the scientific process.



यह मूल्य-तटस्थता और निष्पक्ष जाँच को प्राथमिकता
देता है, व्यक्तिगत मूल्यों को वैज्ञानिक प्रक्रिया से
अलग रखता है।



Positivism was first articulated in
the early 19th century by
Auguste Comte.
प्रत्यक्षवाद की अवधारणा सर्वप्रथम 19वीं
शताब्दी के प्रारम्भ में ऑगस्ट कॉम्टे द्वारा
प्रतिपादित की गई थी।



Observation
अवलोकन



Experiment
प्रयोग



Verification
सत्यापन



Knowledge
ज्ञान

“ To know is to predict,
to predict is to control.
जानना मतलब भविष्यवाणी करना है,
और भविष्यवाणी करना मतलब निबंधन करना है।
— Auguste Comte



”



Positivism laid the foundation for modern science by
emphasizing **objectivity**, **evidence**, and the **scientific approach**.

प्रत्यक्षवाद ने निष्पक्षता, प्रमाण और वैज्ञानिक दृष्टिकोण
पर जोर देकर आधुनिक विज्ञान की नींव रखी।





POSITIVISM

प्रत्यक्षवाद

Positivism emphasizes the use of **science** and **reason** to understand the world through **observable** and **measurable** facts.

प्रत्यक्षवाद विज्ञान और तर्क के उपयोग पर जोर देता है ताकि हम दुनिया को देखी और मापी जा सकने वाली बातों के माध्यम से समझ सकें।



1 Universal Laws & Causal Relationships

Positivism seeks to identify **universal laws** and **causal relationships** that explain the regularities and predictability of social phenomena.

प्रत्यक्षवाद का उद्देश्य सार्वभौमिक नियमों और कारण-परिणाम संबंधों की पहचान करना है, जो सामाजिक घटनाओं की नियमितता और पूर्वानुमेयता को समझाते हैं।



2 Quantitative Methods

Positivist research often relies on quantitative data collection, such as **surveys** and **experiments**, to gather measurable and numerical information for statistical analysis.

प्रत्यक्षवादी शोध अक्सर मात्रात्मक डेटा एकत्रीकरण पर निर्भर करता है, जैसे सर्वेक्षण और प्रयोग, ताकि सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए मापने योग्य और संख्यात्मक जानकारी प्राप्त की जा सके।



3 Rejection of Non-Empirical Ways of Knowing

Other ways of knowing, such as intuition, introspection, or religious faith, are **rejected** or considered **meaningless**.

ज्ञान के अन्य तरीके, जैसे अंतर्ज्ञान, आत्मनिरीक्षण या धार्मिक विश्वास, अस्वीकृत या अर्थहीन माने जाते हैं।

KEY PRINCIPLES / प्रमुख सिद्धांत



Based on observation and verification
अवलोकन और सत्यापन पर आधारित



Focus on facts and measurable data
तथ्यों और मापने योग्य डेटा पर ध्यान



Use of scientific methods
वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग



Aim to predict and control phenomena
घटनाओं की भविष्यवाणी और नियंत्रण का लक्ष्य

REJECTED WAYS / अस्वीकृत तरीके



Intuition
अंतर्ज्ञान



Introspection
आत्मनिरीक्षण



Religious Faith
धार्मिक विश्वास



“ Positivism believes: If it cannot be **observed**, **measured**, or **tested**, it does not belong to science.

प्रत्यक्षवाद का विश्वास है: यदि किसी चीज़ को देखा, मापा या परखा नहीं जा सकता, तो वह विज्ञान का हिस्सा नहीं है। ”





POST-POSITIVISM | उत्तर-प्रत्ययवाद



A balanced approach to knowledge and research | ज्ञान और शोध के प्रति संतुलित दृष्टिकोण

1

ACKNOWLEDGES SUBJECTIVITY, CONTEXT & VALUE-LADEN INTERPRETATIONS

It acknowledges the influence of **subjectivity**, **context**, and **value-laden** interpretations in the research process.

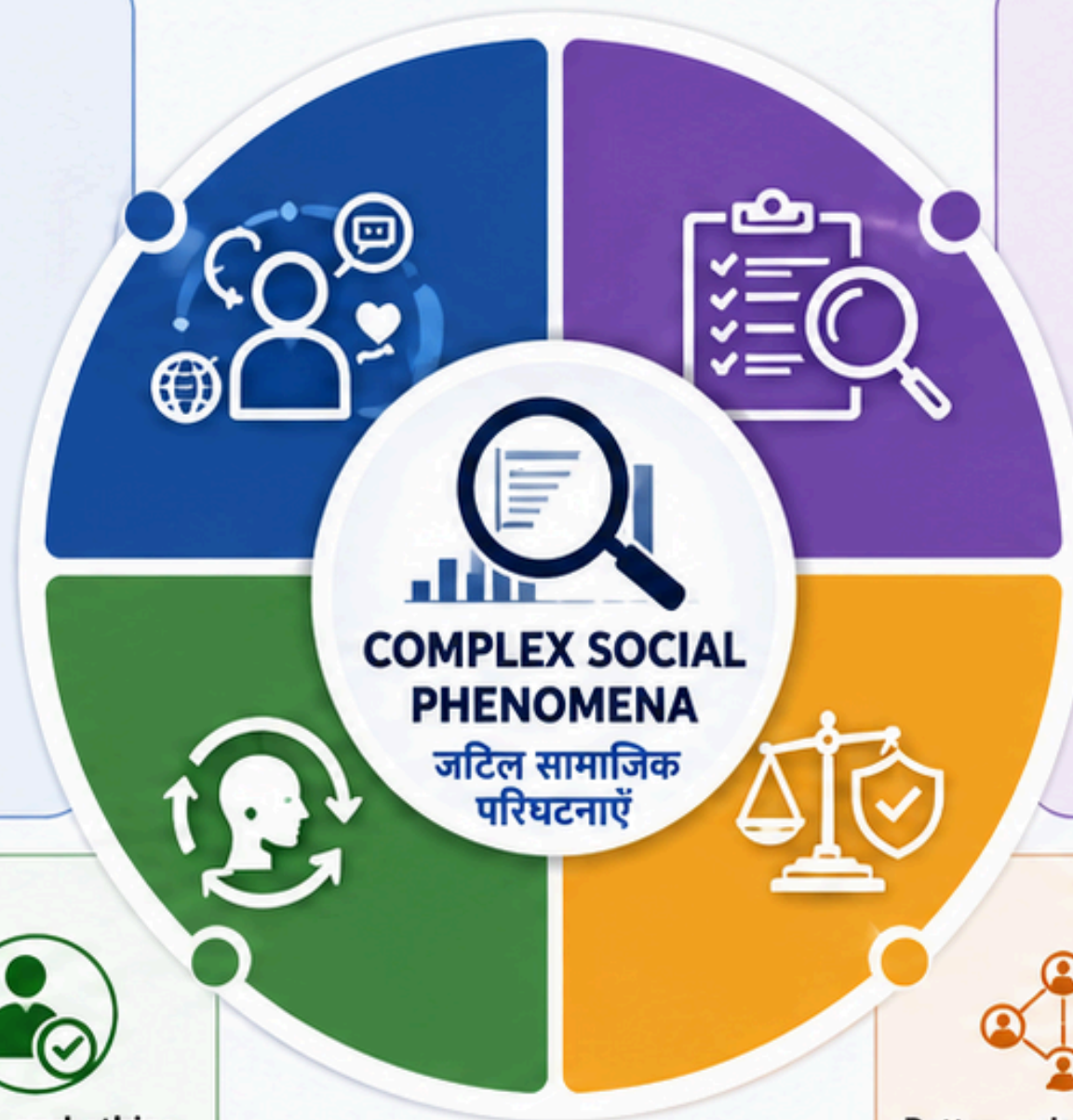
यह शोध प्रक्रिया में व्यक्तिपरकता, संदर्भ और मूल्य-आधारित व्याख्याओं के प्रभाव को स्वीकार करता है।

2

EMPHASIZES MULTIPLE WAYS OF KNOWING & QUALITATIVE METHODS

It emphasizes multiple ways of knowing, **qualitative methods**, and the importance of **reflexivity** and **ethical** considerations in understanding complex social phenomena.

यह अनेक ज्ञान के तरीकों, गुणात्मक पद्धतियों और जटिल सामाजिक परिघटनाओं को समझने में आत्म-परिचिंतन (reflexivity) और नैतिक विचारों के महत्व पर जोर देता है।



KEY PRINCIPLES / प्रमुख सिद्धांत



Reality exists, but our understanding is **partial**.

वास्तविकता मौजूद है, लेकिन हमारी समझ आंशिक है।



Knowledge is improved, not **absolute**.

ज्ञान में सुधार होता है, यह पूर्ण और अंतिम नहीं होता।



Open to revision and new **evidence**.

नए प्रमाणों के आधार पर संशोधन के लिए खुला दृष्टिकोण।



Values and ethics are part of **research**.

मूल्य और नैतिकता शोध प्रक्रिया का अहर्हम हिस्सा हैं।

WHY IT MATTERS / यह क्यों महत्वपूर्ण है



Better understanding of real-world **complexities**.

वास्तविक दुनिया की जटिलताओं को बेहतर समझने में सहायक।



More flexible and practical **approach**.

अधिक लचीला और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करता है।



Balances objectivity with human **perspectives**.

निष्पक्षता के साथ मानवीय दृष्टिकोण का संतुलन बनाता है।



Useful for social sciences and **policy research**.

सामाजिक विज्ञान और नीति अनुसंधान में अत्यंत उपयोगी।

We can never know everything for sure, but we can **keep improving** our understanding."

"हम कभी भी सब कुछ निश्चित रूप से नहीं जान सकते, लेकिन हम **अपनी समझ को लगातार बेहतर बना** सकते हैं।





POST-POSITIVISM

उत्तर-प्रत्ययवाद

Beyond Positivism: Acknowledging Complexity, Context & Human Perspective

प्रत्ययवाद से आगे: जटिलता, संदर्भ और मानवीय दृष्टिकोण की स्वीकृति



1 ONTOLOGY / सत्ता मीमांसा

Multiple Realities / अनेक सामाजिक वास्तविकताएँ



- It recognizes the existence of multiple social realities.
यह अनेक सामाजिक वास्तविकताओं के अस्तित्व को स्वीकार करता है।
- It rejects the idea of a single objective reality.
यह एकमात्र वस्तुनिष्ठ वास्तविकता के विचार को अस्वीकार करता है।
- Acknowledges that social reality is complex and multifaceted.
यह मानता है कि सामाजिक वास्तविकता जटिल और बहुआयामी है।
- Reality is constructed through subjective experiences, cultural contexts, and social interactions.
वास्तविकता व्यक्तिपरक अनुभवों, सांस्कृतिक संदर्भों और सामाजिक अंतःक्रियाओं के माध्यम से निर्मित होती है।

2 EPISTEMOLOGY / ज्ञानमीमांसा

Interpretive & Constructivist / व्याख्यात्मक और निर्माणवादी



- Post-Positivism embraces an interpretive and constructivist epistemology.
उत्तर-प्रत्ययवाद व्याख्यात्मक और निर्माणवादी ज्ञानमीमांसा को अपनाता है।
- It recognizes that knowledge is socially constructed and shaped by individual perspectives and cultural contexts.
यह मानता है कि ज्ञान सामाजिक रूप से निर्मित होता है और व्यक्तिगत दृष्टिकोण तथा सांस्कृतिक संदर्भों से प्रभावित होता है।
- Emphasizes the importance of subjective interpretations, diverse ways of knowing, and the role of language and discourse in shaping our understanding of reality.
यह व्यक्तिपरक व्याख्याओं, विविध ज्ञान-पद्धतियों और भाषा तथा विमर्श की भूमिका पर बल देता है, जो हमारी वास्तविकता की समझ को आकार देते हैं।

3 AXIOLOGY / मूल्य मीमांसा

Values, Reflexivity & Ethics / मूल्य, आत्म-चिंतन और नैतिकता



- Post-positivism recognizes the influence of values and biases in research.
उत्तर-प्रत्ययवाद शोध में मूल्यों और पूर्वाग्रहों के प्रभाव को स्वीकार करता है।
- It promotes reflexivity, encouraging researchers to critically reflect on their own values, assumptions, and positions.
यह आत्म-चिंतन को बढ़ावा देता है, प्रेरित करता है कि शोधकर्ता अपने मूल्य, धारणाओं और स्थितियों पर आलोचनात्मक विचार करें।
- Post-positivists acknowledge that research cannot be value-neutral.
उत्तर-प्रत्ययवादी मानते हैं कि शोध पूर्णतः मूल्य-तटस्थ नहीं हो सकता।

IN ESSENCE / सारतः



Post-Positivism accepts that while reality exists, our understanding is always partial, contextual, and open to revision.

उत्तर-प्रत्ययवाद मानता है कि यद्यपि वास्तविकता अस्तित्व में है, हमारी समझ आंशिक, संदर्भगत और संशोधन के लिए खुली रहती है।

KEY FEATURES / प्रमुख विशेषताएँ



Complex Reality
जटिल वास्तविकता



Multiple Perspectives
अनेक दृष्टिकोण



Interpretive Understanding
व्याख्यात्मक समझ



Continuous Inquiry
निरंतर खोज



Ethical & Reflexive
नैतिक और आत्म-चिंतनशील

GOAL / लक्ष्य

To build better knowledge through critical inquiry, evidence, openness to revision, and respect for human complexity.

समीक्षात्मक खोज, साक्ष्य, संशोधन के प्रति खुलापन और मानवीय जटिलता के सम्मान के माध्यम से बेहतर ज्ञान का निर्माण करना।





REFLEXIVITY

आत्म-चिंतन और आलोचनात्मक परीक्षा

Reflexivity is the practice of critically reflecting on **our own role, biases, values, and assumptions in research.**

रिफ्लेक्सिविटी वह प्रक्रिया है जिसमें शोधकर्ता अपने भूमिका, पूर्वाग्रह, मूल्यों और धारणाओं पर आलोचनात्मक रूप से विचार करता है।



01

WHAT IS REFLEXIVITY?

रिफ्लेक्सिविटी क्या है?



- It refers to the process of **reflecting** on and **critically examining one's own role, biases, values, and assumptions** as a researcher.
- यह अपनी भूमिका, पूर्वाग्रह, मूल्यों और धारणाओं पर विचार करने और उनकी आलोचनात्मक परीक्षा करने की प्रक्रिया है।



PURPOSE / उद्देश्य

To increase awareness and reduce the impact of personal biases on research. व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों के प्रभाव को समझना और उसे कम करना।

02

WHY IS IT IMPORTANT?

यह महत्वपूर्ण क्यों है?



- Helps researchers understand how their perspectives influence the research process and findings.

शोध प्रक्रिया और निष्कर्षों पर अपने दृष्टिकोण के प्रभाव को समझने में मदद करता है।



- Promotes **transparency, honesty, and ethical research.**

पारदर्शिता, ईमानदारी और नैतिक अनुसंधान को बढ़ावा देता है।



- Leads to more **credible, trustworthy, and meaningful research.**

अधिक विश्वसनीय, भरोसेमंद और सार्थक शोध की ओर ले जाता है।

03

HOW TO PRACTICE REFLEXIVITY?

रिफ्लेक्सिविटी का अभ्यास कैसे करें?



- Regularly reflect on your role and influence.
- नियमित रूप से अपनी भूमिका और प्रभाव पर विचार करें।



- Engage with **diverse perspectives and feedback.**
- विविध दृष्टिकोणों और प्रतिक्रियाओं से जुड़ें।



- Question your assumptions and biases.
- अपनी धारणाओं और पूर्वाग्रहों पर सवाल उठाएं।



- Document your reflections throughout the research journey.
- शोध यात्रा के दौरान अपने विचारों को लिखित रूप में दर्ज करें।



“The more we reflect on ourselves, the **clearer** and **fairer** our research becomes.”

“जितना अधिक हम अपने ऊपर विचार करते हैं, उतना ही हमारा शोध **स्पष्ट** और **निष्पक्ष** बनता है।”



THEORY OF FALSIFICATION

मिथ्यीकरण का सिद्धांत

A key concept of **post-positivism** proposed by Karl Popper.

उत्तर-प्रत्ययवाद (Post-Positivism) की एक महत्वपूर्ण अवधारणा, जिसे **कार्ल पॉपर** ने प्रस्तावित किया।



KARL POPPER

(1902–1994)

1

THE THEORY OF FALSIFICATION

मिथ्यीकरण का सिद्धांत



The theory of **falsification**, proposed by Karl Popper, is a key aspect of **post-positivism**.

मिथ्यीकरण का सिद्धांत, जो कार्ल पॉपर द्वारा प्रस्तावित किया गया, उत्तर-प्रत्ययवाद का एक प्रमुख पहलू है।

2

"EVERY THEORY HOLDS TRUE UNTIL IT IS FALSIFIED"

"हर सिद्धांत तब तक सत्य है, जब तक वह मिथ्यापित न हो"



Every theory holds true until it is falsified.

– Karl Popper

"हर सिद्धांत तब तक सत्य माना जाता है, जब तक उसे मिथ्यापित (falsified) न कर दिया जाए।"

– कार्ल पॉपर

3

VALID UNTIL CONTRADICTED

विरोधाभास होने तक मान्य



The theory is considered valid until **empirical observations** or **experimental results** **contradict** it.

किसी सिद्धांत को तब तक मान्य माना जाता है, जब तक कि अनुभवजन्य अवलोकन या प्रयोगात्मक परिणाम उसके विपरीत सिद्ध न कर दें।



IN SIMPLE WORDS / सरल शब्दों में

Instead of trying to prove a theory is true, post-positivists try to **test it thoroughly**. If it survives tests, it is provisionally accepted, but it must always be **open to challenge**.

उत्तर-प्रत्ययवादी किसी सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने की बजाय, उसकी कठोर परीक्षा करते हैं। यदि वह परीक्षणों में टिकता है, तो उसे **अस्थायी रूप से स्वीकार** किया जाता है, लेकिन उसे हमेशा चुमौती के लिए खुला रहना चाहिए।

“

Knowledge grows not by certainty, but by **critical testing** and the **courage to question**.



ज्ञान निश्चितता से नहीं, बल्कि **आलोचनात्मक परीक्षण** और **प्रश्न करने के साहस** से बढ़ता है।

”

“

A sociological concept used in **qualitative research** to better understand social action in society.

एक समाजशास्त्रीय अवधारणा जिसका उपयोग गुणात्मक अनुसंधान में समाज में सामाजिक क्रिया को बेहतर समझने के लिए किया जाता है।”

VERSTEHEN

फरस्तेहन

To Understand Deeply / गहराई से समझना



WHAT IS VERSTEHEN?

वेरस्तेहन क्या है?

Verstehen requires researchers to **place themselves in the position of the individual observed** to see and comprehend the meanings behind the person's action and the meanings attached to the motivation, purpose or outcomes of their actions.

वेरस्तेहन में शोधकर्ता को देखे गए व्यक्ति की स्थिति में स्वयं को रखकर उसके कार्य के पीछे के अर्थों और उसकी प्रेरणा, उद्देश्य या परिणामों से जुड़े अर्थों को समझना शामिल है।



Max Weber

(1864–1920)

“

The goal is not just to observe action, but to **understand the meaning** behind it.

लक्ष्य केवल क्रिया का निरीक्षण करना नहीं है, बल्कि उसके पीछे के अर्थ को समझना है।”

”



KEY FEATURES / प्रमुख विशेषताएँ



Focus on **subjective meanings** and interpretations.
व्यक्तिपरक अर्थों और व्याख्याओं पर ध्यान।



Empathy – seeing the world from the actor's perspective.
सहानुभूति – अभिनेता के दृष्टिकोण से संसार को देखना।



Seeks to understand **motivations, intentions and beliefs**.
प्रेरणाओं, उद्देश्यों और विश्वासों को समझना चाहता है।



Contextual understanding is essential.
संदर्भात्मक समझ आवश्यक है।



HOW VERSTEHEN WORKS / यह कैसे कार्य करता है?



Observe
(निरीक्षण करें)



Listen Actively
(सक्रिय रूप से सुनें)



Empathize
(सहानुभूति रखें)



Interpret Meaning
(अर्थ की व्याख्या करें)



Understand Action
(क्रिया को समझें)



EXAMPLE / उदाहरण



When a researcher wants to understand why farmers participate in a protest, Verstehen means understanding their **feelings, struggles, beliefs and aspirations** – not just counting numbers.

जब कोई शोधकर्ता यह समझना चाहता है कि किसान विरोध प्रदर्शन में क्यों भाग लेते हैं, तो वेरस्तेहन का अर्थ है उनकी भावनाओं, संघर्षों, विश्वासों और आकांक्षाओं को समझना – केवल संख्या गिनना नहीं।



Verstehen connects us with **human experiences** and reveals the **meanings** behind actions.

वेरस्तेहन हमें मानव अनुभवों से जोड़ता है और क्रियाओं के पीछे के अर्थों को उजागर करता है।





POSITIVISM VS POST-POSITIVISM

Key Differences at a Glance

एक नज़र में मुख्य अंतर



ASPECT / पहलू	POSITIVISM / प्रत्यक्षवाद	POST-POSITIVISM / उत्तर-प्रत्यक्षवाद
 MEANING अर्थ	Emphasizes objective knowledge and observable facts . वस्तुनिष्ठ ज्ञान और प्रेक्षणीय तथ्यों पर जोर देता है।	Recognizes the role of interpretation and subjective meaning . व्याख्या और व्यक्तिपरक अर्थ की भूमिका को स्वीकार करता है।
 ONTOLOGY सत्ता मीमांसा	Assumes a realist ontology where there is an objective reality. वस्तुनिष्ठ वास्तविकता वाली यथार्थवादी सत्ता मीमांसा को मानता है।	Acknowledges the existence of multiple social realities and subjectivity . एकाधिक सामाजिक वास्तविकताओं और व्यक्तिपरकता के अस्तित्व को स्वीकार करता है।
 EPISTEMOLOGY ज्ञानमीमांसा	Relies on empirical evidence and verification through the scientific method. वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से अनुभवजन्य साक्ष्यों और सत्यापन पर निर्भर करता है।	Questions the possibility of achieving absolute objectivity and acknowledges the influence of the observer. पूर्ण वस्तुनिष्ठता की संभावना पर प्रश्न उठाता है और पर्यवेक्षक के प्रभाव को स्वीकार करता है।
 RESEARCH METHODS / AXIOLOGY अनुसंधान पद्धतियों / मूल्य मीमांसा	Quantitative methods, experiments, and statistical analysis. मापात्मक पद्धतियों, प्रयोग और सांख्यिकीय विश्लेषण।	Qualitative methods, ethnography, interviews, and textual analysis. गुणात्मक पद्धतियों, नुवंशविज्ञान, साक्षात्कार और पाठ विश्लेषण।
 TIME PERIOD समय अवधि	Predominantly associated with the 19th and early 20th centuries. मुख्यतः 19वीं और प्रारंभिक 20वीं सदी से संबद्ध।	Emerged as a critique of positivism in the mid-20th century and continues to influence contemporary social sciences. 20वीं सदी के मध्य में प्रत्यक्षवाद की आलोचना के रूप में उभरा और समकालीन सामाजिक विज्ञानों को प्रभावित करता है।
 FOCUS केन्द्रबिंदु	Focuses on general laws , causality, and prediction . सामान्य नियमों, कारणता और भविष्यवाणी पर ध्यान केंद्रित करता है।	Emphasizes understanding the complexity of social phenomena and the importance of context . सामाजिक घटनाओं की जटिलता और संदर्भ के महत्व पर जोर देता है।
 RESEARCHER'S ROLE शोधकर्ता की भूमिका	Objective and detached observer . वस्तुनिष्ठ और पृथक पर्यवेक्षक।	Acknowledges the researcher's subjectivity and the potential influence on the research process. शोधकर्ता की व्यक्तिपरकता और अनुसंधान प्रक्रिया पर उसके संभावित प्रभाव को स्वीकार करता है।
 CRITIQUES आलोचनाएँ	Criticized for overlooking subjectivity and complex social processes. व्यक्तिपरकता और जटिल सामाजिक प्रक्रियाओं की अनदेखी के लिए आलोचना की जाती है।	Criticized for relativism and the lack of clear criteria for evaluation. सापेक्षवाद और मूल्यांकन के लिए स्पष्ट मानदंडों की कमी के लिए आलोचना की जाती है।

Positivism seeks to **explain** the world.
Post-Positivism seeks to **understand** it.

प्रत्यक्षवाद दुनिया को **समझाने** का प्रयास करता है।
उत्तर-प्रत्यक्षवाद दुनिया को **गहराई से समझने** का प्रयास करता है।



PHILOSOPHY OF SOCIAL RESEARCH

QUICK PRACTICE MCQs



सामाजिक शोध के दर्शन – अभ्यास प्रश्न

Q1

Positivism emphasizes the importance of: प्रत्यक्षवाद (Positivism) निम्न में से किस बात के महत्व पर जोर देता है?



- A Subjectivity and interpretation व्यक्तिपरकता और व्याख्या
- B Social construction of reality वास्तविकता का सामाजिक निर्माण
- C Empirical observation and measurement अनुभवजन्य अवलोकन और मापन
- D Multiple research methods बहु-आयामी शोध पद्धतियों

Q2

Which philosophical perspective asserts that scientific knowledge can be purely objective and value-free? कौन-सा दार्शनिक दृष्टिकोण यह दावा करता है कि वैज्ञानिक ज्ञान पूरी तरह वस्तुनिष्ठ और मूल्य-मुक्त हो सकता है?



- A Positivism / प्रत्यक्षवाद
- B Post-positivism / उत्तर-प्रत्यक्षवाद
- C Pragmatism / व्यवहारवाद
- D Constructivism / निर्माणवाद

Q3

Post-positivism challenges positivism by acknowledging the role of: उत्तर-प्रत्यक्षवाद (Post-positivism) प्रत्यक्षवाद को निम्न में से किसकी भूमिका को स्वीकार करके चुनौती देता है?

- A Objective truths / वस्तुनिष्ठ सत्य
- B Value-free research / मूल्य-मुक्त शोध
- C Subjectivity and interpretation व्यक्तिपरकता और व्याख्या
- D Reductionist approaches / सरलीकरणवादी दृष्टिकोण



Q4

Reflexivity in research is important because it: शोध में रिफ्लेक्सिविटी (Reflexivity) महत्वपूर्ण है क्योंकि यह:



- A Enhances the validity and reliability of quantitative data. मात्रात्मक डेटा की वैधता और विश्वसनीयता बढ़ाता है।
- B Allows researchers to manipulate variables for experimental studies. शोधकर्ताओं को प्रायोगिक अध्ययन के लिए चर नियंत्रित करने की अनुमति देता है।
- C Promotes awareness of personal biases and their potential impact on the research process. व्यक्तिगत पक्षपात के प्रति जागरूकता बढ़ाता है और उनके शोध प्रक्रिया पर संभावित प्रभाव को समझने में मदद करता है।
- D Helps in generalizing research findings to a larger population. शोध निष्कर्षों को बड़ी आबादी पर सामान्यीकृत करने में मदद करता है।

Q5

Match the following thinkers with their key contributions / निम्न विचारकों को उनके प्रमुख योगदानों से मिलाएँ:

Thinkers / विचारक

- 1 Auguste Comte
- 2 Max Weber
- 3 Karl Popper
- 4 Thomas Kuhn

Contributions / योगदान

- a Positivism / प्रत्यक्षवाद
- b Verstehen / फरस्टेहन (समझना)
- c Falsification principle / मिथ्यीकरण सिद्धांत
- d Paradigm shift / प्रतिमान परिवर्तन

- A) 1-a, 2-b, 3-c, 4-d B) 1-b, 2-a, 3-c, 4-d C) 1-a, 2-c, 3-b, 4-d D) 1-c, 2-b, 3-a, 4-d



KEY TAKEAWAY

Positivism seeks to **explain** the world.
Post-positivism seeks to **understand** it.



मुख्य निष्कर्ष

प्रत्यक्षवाद दुनिया को **समझाने** का प्रयास करता है।
उत्तर-प्रत्यक्षवाद दुनिया को **समझने** का प्रयास करता है।



INTERPRETIVISM

01

It is a theoretical stance which proposes that the social realm cannot be studied with the methods of investigation utilized within the natural sciences, and that investigation of the social realm requires a different epistemology.

02

Fundamental to that antipositivist epistemology is the belief that the concepts and language researchers use in their research shape their perceptions of the social world they are investigating and seeking to define.

03

Interpretivists believe people's subjective views, opinions, emotions, and values are essential to understanding society.

01

यह एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण है जो प्रस्तावित करता है कि सामाजिक वास्तविकता का अध्ययन प्राकृतिक विज्ञानों में उपयोग की जाने वाली जाँच विधियों से नहीं किया जा सकता, और सामाजिक वास्तविकता की जाँच के लिए एक भिन्न ज्ञानमीमांसा की आवश्यकता होती है।

02

उस प्रतिपॉजिटिववादी ज्ञानमीमांसा की मूल धारणा यह है कि शोधकर्ता अपने शोध में जिन अवधारणाओं और भाषा का उपयोग करते हैं, वे उनकी जाँच की जा रही सामाजिक दुनिया की उनकी धारणाओं को आकार देती हैं और परिभाषित करने का प्रयास करती हैं।

03

इंटरप्रेटिविस्ट मानते हैं कि लोगों के व्यक्तिपरक दृष्टिकोण, मत, भावनाएं और मूल्य समाज को समझने के लिए आवश्यक हैं।



JRF Media Academy by Rohit